प्रधानमंत्री का वाराणसी दौरा

20 अक्टूबर 2024 को भारत के प्रधानमंत्री ने वाराणसी, उत्तर प्रदेश में कई विकास परियोजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन किया।

मुख्य बिंदु

- **हवाई अड्डे का विस्तार:** प्रधानमंत्री मोदी ने **लाल बहादुर शास्त्री अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे** के प्रमुख विस्तार कार्यों की आधारशिला रखी, जिसमें रनवे का सुधार और एक नए टर्मिनल का निर्माण शामिल है, जिसके लिए लगभग 2,870 करोड़ रुपये के निवेश की आवश्यकता होगी।
- **नए हवाई अड्डे: आगरा, दरभंगा और बागडोगरा में हवाई अड्डा परियोजनाओं की घोषणा की गई है, जिनमें क्रमशः 570 करोड़ रुपये, लगभग 910 करोड़ रुपये और लगभग 1,550 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश किया जाएगा।** रीवा, अंबिकापुर और सहारनपुर में नई टर्मिनल सुविधाओं पर काम चल रहा है, जिससे वार्षिक यात्री क्षमता बढ़कर 2.3 करोड़ से अधिक हो जाएगी।
- **वाराणसी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स:** प्रधानमंत्री ने खेलो इंडिया योजना और स्मार्ट सिटी मिशन के तहत 210 करोड़ रुपये से अधिक के निवेश से **वाराणसी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स पुनर्विकास के चरण 2 और 3 का भी उद्घाटन** किया।
  - इस परिसर में एक राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र, खिलाड़ियों के लिए आवास, एक खेल विज्ञान केंद्र और विभिन्न खेल सुविधाएं शामिल होंगी।
- **आर जे शंकर नेत्र चिकित्सालय:** प्रधानमंत्री मोदी ने वाराणसी में आर जे शंकर नेत्र चिकित्सालय का उद्घाटन किया। इसका संचालन कांची मठ द्वारा किया जाएगा।
  - यह नेत्र चिकित्सालय पूर्वी उत्तर प्रदेश के 20 जिलों के साथ-साथ बिहार, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के सीमावर्ती क्षेत्रों के निवासियों को व्यापक परामर्श और उपचार प्रदान करेगा।

- **अन्य परियोजनाएं:** डॉ. भीमराव अंबेडकर खेल स्टेडियम में 100 बिस्तरों वाले छात्रावास और सारनाथ में पर्यटन को बढ़ावा देने जैसी परियोजनाओं का अनावरण किया गया, जिसमें बौद्ध विरासत क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे में सुधार पर ध्यान केंद्रित किया गया। इसमें पैदल चलने वालों के अनुकूल सड़कें, आधुनिक सीवर सिस्टम और स्थानीय हस्तशिल्प विक्रेताओं के लिए एक क्षेत्र शामिल है।
  - उन्होंने बाणासुर मंदिर और गुरुधाम मंदिर में पर्यटन पहल के साथ-साथ स्थानीय पार्कों के सौंदर्यीकरण परियोजनाओं का भी शुभारंभ किया।

आईटीयू केलिडोस्कोप

15वां आईटीयू केलिडोस्कोप अकादमिक सम्मेलन नई दिल्ली में शुरू हुआ।

प्रमुख बिंदु

- **सम्मेलन का विषय:** "एक स्थायी विश्व के लिए नवाचार और डिजिटल परिवर्तन"।
- **आयोजन:** अंतर्राष्ट्रीय दूरसंचार संघ (आईटीयू) द्वारा आयोजित।
- **समयावधि:** यह कार्यक्रम आयोजन 21 से 23 अक्टूबर, 2024 तक आयोजित किया जाएगा।
- यह 5G, AI, IoT, क्वांटम संचार और अन्य परिवर्तनकारी प्रौद्योगिकियों में अत्याधुनिक विकास पर चर्चा करने के लिए शिक्षा जगत, उद्योग और सरकार के प्रतिभाशाली लोगों को एक साथ लाता है।

आईटीयू कैलिडोस्कोप के बारे में

- आईटीयू केलिडोस्कोप एक वार्षिक कार्यक्रम है जो शिक्षा जगत और उद्योग के बीच की खाई को पाटने तथा दूरसंचार प्रौद्योगिकियों के वैश्विक मानकीकरण में योगदान देने वाले विचारों के आदान-प्रदान को बढ़ावा देने में सहायक रहा है।
- यह पहली बार 2008 में आयोजित किया गया था।

ई-श्रम-वन स्टॉप सॉल्यूशन

21 अक्टूबर 2024 को केंद्र सरकार ने 'ई-श्रम-वन स्टॉप सॉल्यूशन' पहल शुरू की।

प्रमुख बिंदु

- इस पहल का उद्देश्य असंगठित श्रमिकों तक सरकारी योजनाओं की आसान पहुंच सुनिश्चित करना है।
- **लक्ष्य**: इसका उद्देश्य असंगठित श्रमिकों के लिए सभी सामाजिक सुरक्षा और कल्याणकारी योजनाओं के लाभार्थियों की जानकारी को एक ही मंच के माध्यम से प्रभावी तरीके से एकीकृत करना है।
- यह पहल एक मध्यस्थ के रूप में कार्य करेगी, जिससे यह सुनिश्चित होगा कि असंगठित श्रमिकों को विभिन्न सरकारी योजनाओं और कार्यक्रमों तक आसान पहुंच प्राप्त हो।
- इस पहल से **असंगठित श्रमिकों को उनके लिए बनाई गई योजनाओं के बारे में जागरूक होने में मदद मिलेगी।**

5वां राष्ट्रीय जल पुरस्कार 2023

22 अक्टूबर 2024 को, भारत की राष्ट्रपति विज्ञान भवन, नई दिल्ली में 5वें राष्ट्रीय जल पुरस्कार 2023 प्रदान करेगी।

प्रमुख बिंदु

- 14 अक्टूबर 2024 को जल शक्ति मंत्रालय के तहत जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग ने 5वें राष्ट्रीय जल पुरस्कार, 2023 के लिए **09 श्रेणियों** में संयुक्त विजेताओं सहित 38 विजेताओं की घोषणा की:
  - सर्वश्रेष्ठ राज्य
  - सर्वश्रेष्ठ जिला
  - सर्वश्रेष्ठ ग्राम पंचायत
  - सर्वश्रेष्ठ शहरी स्थानीय निकाय
  - सर्वश्रेष्ठ स्कूल या कॉलेज
  - सर्वश्रेष्ठ उद्योग
  - सर्वश्रेष्ठ जल उपयोगकर्ता संघ
  - सर्वश्रेष्ठ संस्थान (स्कूल या कॉलेज के अलावा), और
  - सर्वश्रेष्ठ नागरिक समाज

सर्वश्रेष्ठ राज्य श्रेणी

प्रथम	ओडिशा
द्वितीय	उत्तर प्रदेश
तीसरा (संयुक्त विजेता)	पुदुचेरी
तीसरा (संयुक्त विजेता)	गुजरात

सर्वश्रेष्ठ जिला श्रेणी- क्षेत्रवार

दक्षिण	विशाखापत्तनम, आंध्र प्रदेश
उत्तर-पूर्व	धलाई, त्रिपुरा
उत्तर	बांदा (संयुक्त विजेता), उत्तर प्रदेश
उत्तर	गांदरबल (संयुक्त विजेता), जम्मू कश्मीर
पश्चिम	इंदौर, मध्य प्रदेश
पूर्व	बलांगीर, ओडिशा

सर्वश्रेष्ठ गांव श्रेणी

प्रथम	पुल्लमपारा, तिरुवनंतपुरम, केरल
द्वितीय	मसुलपानी, कांकेर, छत्तीसगढ़
तृतीय	हंपापुरम, अनंतपुर (संयुक्त विजेता), आंध्र प्रदेश

तृतीय	खलीहरंगनाह, पश्चिमी जैंतिया हिल्स (संयुक्त विजेता), मेघालय

सर्वश्रेष्ठ शहरी स्थानीय निकाय

प्रथम	सूरत, गुजरात
द्वितीय	पुरी, ओडिशा
तृतीय	पुणे, महाराष्ट्र

सर्वश्रेष्ठ स्कूल या कॉलेज

प्रथम	राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय, जेठवांका बास, राजस्थान
द्वितीय	राजकीय सर्वोदय विद्यालय, पश्चिम विहार, नई दिल्ली
तृतीय	खैरबानी आश्रम स्कूल, बैसिंगा ओडिशा बीएचएसएस, ज़ैनकोटे
विशेष उल्लेख	बीएचएसएस, ज़ैनाकोटे जम्मू और कश्मीर

सर्वश्रेष्ठ उद्योग

प्रथम	अरावली पावर कंपनी प्राइवेट लिमिटेड, हरियाणा
द्वितीय	अपोलो टायर्स लिमिटेड, तमिलनाडु
तृतीय	रेमंड यूको डेनिम प्राइवेट लिमिटेड, महाराष्ट्र

सर्वश्रेष्ठ जल उपयोगकर्ता संघ

प्रथम	पेंटाकली परियोजना जल उपयोगकर्ता संघ, महाराष्ट्र
द्वितीय	जल उपयोगकर्ता सहकारी समिति, कर्नाटक
तृतीय	पेरम्बूर बिग टैंक वाटर यूजर एसोसिएशन तमिलनाडु

सर्वश्रेष्ठ संस्थान (स्कूल/कॉलेज के अलावा)

प्रथम	तमिलनाडु कृषि विश्वविद्यालय, तमिलनाडु
द्वितीय	कोनेरू लक्ष्मैया एजुकेशन फाउंडेशन, आंध्र प्रदेश
तृतीय	भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, मद्रास (संयुक्त विजेता), तमिलनाडु
तृतीय	श्री तिरुमाला नगर रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन, आंध्र प्रदेश
विशेष उल्लेख	आईआईटी तिरुपति, आंध्र प्रदेश
विशेष उल्लेख	बिरला विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, राजस्थान

सर्वश्रेष्ठ नागरिक समाज

प्रथम	BAIF विकास अनुसंधान फाउंडेशन, महाराष्ट्र
द्वितीय	युवा मित्र, मित्रांगन कैम्पस, महाराष्ट्र
तृतीय	ग्रामीण विकास ट्रस्ट, गुजरात
विशेष उल्लेख	आर्ट ऑफ लिविंग, व्यक्ति विकास केंद्र भारत, कर्नाटक
विशेष उल्लेख	एस.एम.सहगल फाउंडेशन (विशेष उल्लेख) हरियाणा

राष्ट्रीय जल पुरस्कार के बारे में

- राष्ट्रीय जल पुरस्कार (एनडब्ल्यूए) सरकार के 'जल समृद्ध भारत' के दृष्टिकोण को प्राप्त करने में देश भर के व्यक्तियों और संगठनों द्वारा किए गए अच्छे कार्यों और प्रयासों पर ध्यान केंद्रित करते हैं।
- **ये पुरस्कार लोगों में जल के महत्व के बारे में जागरूकता पैदा करने तथा उन्हें जल के सर्वोत्तम उपयोग के तरीकों को अपनाने के लिए प्रेरित करने के लिए दिए जाते हैं।**

- प्रथम राष्ट्रीय जल पुरस्कार 2018 में जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग (DoWR, RD & GR) द्वारा लॉन्च किए गए थे।
- दूसरे, तीसरे और चौथे राष्ट्रीय जल पुरस्कार वर्ष 2019, 2020 और 2022 के लिए दिए गए। कोविड महामारी के कारण वर्ष 2021 में ये पुरस्कार नहीं दिए गए।

अक्षयवट कॉरिडोर

महाकुंभ 2025 की तैयारियों के बीच योगी सरकार अक्षयवट कॉरिडोर के सौंदर्यीकरण में तेजी ला रही है, जिसका उद्देश्य लाखों तीर्थयात्रियों के लिए आध्यात्मिक अनुभव को बढ़ाना है।

प्रमुख बिंदु

- **सनातन धर्म में पौराणिक महत्व रखने वाला 300 साल पुराना अक्षयवट वृक्ष तीर्थयात्रियों के लिए एक महत्वपूर्ण पड़ाव माना जाता है।** मान्यता है कि संगम के पवित्र जल में स्नान करने के बाद अक्षयवट पर पूजा-अर्चना करने के बाद ही तीर्थयात्रा पूरी होती है।
- जब **भगवान राम वन गमन के दौरान संगम नगरी में भारद्वाज मुनि के आश्रम गए, तो मुनि ने उन्हें बरगद के पेड़ का महत्व बताया।** माता सीता ने बरगद के पेड़ को आशीर्वाद दिया और यह एकमात्र ऐसा पेड़ था जो जल प्रलय के दौरान धरती के डूब जाने पर जीवित रहा। इस पवित्र वृक्ष को आज अक्षयवट के नाम से जाना जाता है।
- अक्षयवट का उल्लेख **महाकवि कालिदास के 'रघुवंश'** के साथ-साथ **चीनी यात्री ह्वेन त्सांग के यात्रा वृत्तांत** में भी मिलता है।
- ऐसा माना जाता है कि अक्षयवट के दर्शन मात्र से अक्षय पुण्य मिलता है। भारत ऐसे **चार प्राचीन वट** वृक्षों का घर है: **प्रयागराज में अक्षयवट, सोरों (शुकर क्षेत्र) में गृद्धवट, उज्जैन में सिद्धवट, और वृन्दावन में वंशीवट।**

लघु समाचार- उत्तर प्रदेश

- यूपी सरकार **मोबाइल ऐप आधारित जल निगरानी प्रबंधन प्रणाली** विकसित कर रही है। इस अत्याधुनिक ऐप-आधारित प्रणाली के विकास का कार्य यूपी इलेक्ट्रॉनिक्स कॉर्पोरेशन लिमिटेड (यूपीएलसी) को सौंपा गया है।
- जल जीवन मिशन के आंकड़ों के अनुसार, **उत्तर प्रदेश में एक्यूट इंसेफेलाइटिस सिंड्रोम (एईएस) और जापानी इंसेफेलाइटिस (जेई) के कारण होने वाली मौतें 2018 में 149 (जिसमें 137 एईएस से संबंधित और 12 जेई से संबंधित मौतें शामिल हैं) से घटकर अक्टूबर 2024 तक शून्य** हो गई हैं।
  - उत्तर प्रदेश में जापानी इंसेफेलाइटिस (जेई) का पहला मामला 1978 में सामने आया था। अगले दो दशकों में, इससे प्रभावित 30 प्रतिशत से अधिक लोग इस बीमारी के कारण दम तोड़ चुके थे, जिनमें राज्य के पूर्वी जिलों के बच्चे सबसे अधिक प्रभावित हुए थे।
  - क्यूलेक्स मच्छरों के काटने से होने वाली जेई तथा मस्तिष्क ज्वर के नाम से प्रचलित एईएस, लगातार खतरा बन गए हैं।
- विशिष्ट एवं उभरती प्रौद्योगिकियों के एकीकरण के माध्यम से युद्ध क्षमताओं को बढ़ाने के उद्देश्य से, **सेना की दक्षिणी कमान की सुदर्शन चक्र कोर ने झांसी के पास बबीना फील्ड फायरिंग रेंज में 'स्वावलंबन शक्ति अभ्यास' का आयोजन** किया।

चर्चित व्यक्तित्व - नियुक्ति

श्रीमती विजया किशोर रहाटकर

उन्हें **राष्ट्रीय महिला आयोग का अध्यक्ष** नियुक्त किया गया है।

वह राष्ट्रीय महिला आयोग की 9वीं अध्यक्ष हैं।

राष्ट्रीय महिला आयोग की स्थापना जनवरी 1992 में राष्ट्रीय महिला आयोग अधिनियम, 1990 (भारत सरकार के अधिनियम संख्या 20, 1990) के तहत एक सांविधिक निकाय के रूप में की गई थी, जिसका उद्देश्य महिलाओं के लिए संवैधानिक और कानूनी सुरक्षा उपायों की समीक्षा करना और महिलाओं को प्रभावित करने वाले सभी नीतिगत मामलों पर सरकार को सलाह देना था।

सैन्य अभ्यास

नसीम-अल-बहर

भारत ओमान द्विपक्षीय नौसैनिक अभ्यास

- **भारत और ओमान के बीच** द्विपक्षीय अभ्यास 13-18 अक्टूबर 2024 तक **गोवा** में आयोजित किया गया।
- **आईएनएस त्रिकंद और डोर्नियर मैरीटाइम पेट्रोल एयरक्राफ्ट** ने अभ्यास में भाग लिया।
- अभ्यास दो चरणों में आयोजित किया गया: **13 से 15 अक्टूबर 2024 तक बंदरगाह चरण, उसके बाद 16 से 18 अक्टूबर 2024 तक समुद्री चरण** आयोजित किया गया।

महत्वपूर्ण दिन/तारीख

21 अक्टूबर

विश्व आयोडीन अल्पता दिवस

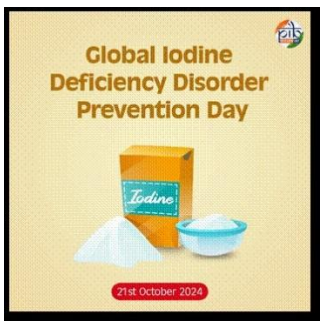

- इसे वैश्विक आयोडीन की कमी संबंधी विकार निवारण दिवस के रूप में भी जाना जाता है।
- इस दिवस का उद्देश्य **अच्छे स्वास्थ्य को बनाए रखने में आयोडीन की आवश्यक भूमिका के बारे में जागरूकता बढ़ाना और आयोडीन की कमी के परिणामों पर जोर देना** है।
- आयोडीन थायराइड हार्मोन, थायरोक्सिन (T4) और ट्राईआयोडोथायोनिन (T3) का एक आवश्यक घटक है, जो चयापचय को नियंत्रित करता है और भ्रूण और शिशु के विकास के लिए महत्वपूर्ण है।
- आयोडीन की कमी के गंभीर स्वास्थ्य प्रभावों को समझते हुए, भारत सरकार ने 1962 में **राष्ट्रीय घेंघा नियंत्रण कार्यक्रम (एनजीसीपी)** के माध्यम से इस समस्या से निपटने के लिए राष्ट्रीय प्रयास शुरू किए।
- 1992 में, कार्यक्रम को व्यापक बनाया गया और इसका नाम बदलकर **राष्ट्रीय आयोडीन अल्पता विकार नियंत्रण कार्यक्रम (NIDDCP) कर दिया गया,** ताकि आयोडीन अल्पता विकार (IDD) की व्यापक श्रेणी को कवर किया जा सके और सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में इसका कार्यान्वयन सुनिश्चित किया जा सके।

21 अक्टूबर

पुलिस स्मृति दिवस

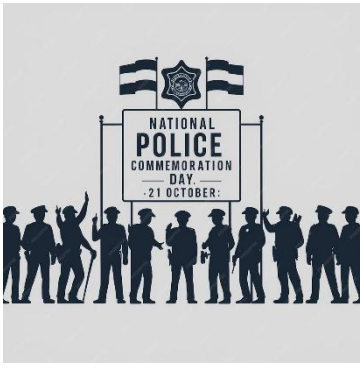

- पुलिस शहीदों को श्रद्धांजलि देने के लिए 21 अक्टूबर को पूरे देश में **"पुलिस स्मृति दिवस"** के रूप में मनाया जाता है।
- **21 अक्टूबर, 1959 को हॉट स्प्रिंग्स, लद्दाख में** भारी हथियारों से लैस चीनी सैनिकों द्वारा किए गए हमले में दस बहादुर पुलिसकर्मियों ने अपने प्राणों की आहुति दे दी थी।

- 21 अक्टूबर को इन शहीदों और अन्य सभी शहीदों की याद में मनाया जाता है, जिन्होंने अपने कर्तव्य का पालन करते हुए सर्वोच्च बलिदान दिया।
- **राष्ट्रीय पुलिस स्मारक चाणक्यपुरी, नई दिल्ली में स्थित है।** इसे प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा पुलिस स्मृति दिवस-2018 पर राष्ट्र को समर्पित किया गया।

विविध

- केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने बिहार और झारखंड मेडिकल फोरम (बीजेएमएफ) द्वारा आयोजित **"मेडिसिन अपडेट बीजेएमएफकॉन 2024"** का उद्घाटन किया।
  - **बिहार और झारखंड मेडिकल फोरम (BJMF) बिहार और झारखंड राज्यों के डॉक्टरों का एक सामाजिक-वैज्ञानिक संगठन है** जो लंबे समय से दिल्ली एनसीआर क्षेत्र में अभ्यास कर रहा है और क्षेत्र के लोगों की सेवा कर रहा है। पहला मेडिसिन अपडेट 2023 में आयोजित किया गया था। दूसरा मेडिसिन अपडेट BJMFCON 20 अक्टूबर 2024 को आयोजित किया गया था।
- केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने जम्मू में जम्मू और कश्मीर सहित भारत में मधुमेह की व्यापकता का आकलन करने के लिए अपनी तरह के पहले विश्व के सबसे बड़े सर्वेक्षण **'आईसीएमआर-इंडिया डायबिटीज 'इंडियाएबी'** अध्ययन के जम्मू से संबंधित आंकड़े जारी किए।
- देश के 75 ऐतिहासिक लाइट हाउसों में 19 और 20 अक्टूबर 2024 को **दूसरा राष्ट्रीय लाइटहाउस महोत्सव** मनाया गया। महोत्सव की शुरुआत के उपलक्ष्य में 19 अक्टूबर 2024 को ओडिशा के पुरी में लाइट हाउस टूरिज्म कॉन्क्लेव 2024 आयोजित किया गया।

❍❍❍❍